





## उत्तरांचल दर्पण

### सम्पादकीय

## चुनाव में लुभावनी घोषणायें

देखने में आता है कि हर चुनाव में चाहे वह लोकसभा का हो या विधानसभा या फिर स्थानीय स्तर का चुनाव हो। ज्यों ज्यों चुनाव की तिथि नजदीक आती है केंद्र एवं प्रदेश सरकारों द्वारा आम जनता को लुभाने के लिए योजनाओं-परियोजनाओं के अनावरण, वस्तुओं की कीमतों में कमी आदि की घोषणाएं करना प्रारम्भ कर दी जाती हैं। घरेलू रसोई गैस की कीमतों में कमी करने के बाद अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपए प्रति लीटर की कटौती भी इसी रणनीति का हिस्सा कही जा सकती है। भले ही विपक्षी दल सरकार पर इस मौके का राजनैतिक लाभ लेने का आरोप लगाते हुए दबे स्वर में इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन वोट की खातिर वह खुलकर सामने आने से कतरा रहे हैं। पिछले दो वर्ष से पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई थीं। हालांकि इस बीच कई बार कच्चे तेल की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में उतार देखा गया। जिसे देखते हुए मांग की जाती रही कि पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कटौती की जानी चाहिए। मगर तब सरकार ने तर्क दिया था कि तेल के दाम में कटौती इसलिए नहीं की जाएगी, ताकि इससे तेल कंपनियों को हुए घाटे की भरपाई हो सके। पहले के नियम के मुताबिक अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव किया जाता था। मगर सरकार ने इस तर्क के साथ तेल की कीमतों का निर्धारण खुद से करना शुरू कर दिया था कि कच्चे तेल की कीमतें कम होने पर तेल कंपनियों को जो कमाई होगी, उससे उन्हें अपना तेल का भंडार बढ़ाने में मदद मिलेगी। तेल की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी का असर महंगाई पर भी पड़ता है। इससे माल दुलाई का खर्च बढ़ता है, कृषि कार्य में उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे बाजार में वस्तुओं की कीमतें कई बार काबू से बाहर चली जाती हैं। इसलिए महंगाई पर काबू पाने के लिए तेल की खुदरा कीमतें संतुलित करने के सुझाव दिए जाते हैं। मगर विचित्र है कि खुदरा महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच जाने के बावजूद सरकार ने तेल की कीमतों को कम करने पर विचार नहीं किया। सबसे अधिक आरोप तेल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क को लेकर उठता रहा है। खुदरा तेल की कीमतें इसलिए ऊंचे स्तर तक पहुंच गई हैं कि इस पर राज्य और केंद्र सरकार ऊंची दर से उत्पाद शुल्क वसूलती हैं। केंद्र सरकार एकमुश्त प्रति लीटर उत्पाद शुल्क लेती है, जिसे कम करने की मांग अनेक मौकों पर उठाई जाती रही, मगर एकाध मौकों पर उसमें कटौती की गई तो वह भी चुनाव का मौका था। मसलन, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के वक्त केंद्र सरकार ने अपने उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। जब केंद्रीय उत्पाद शुल्क में बढ़ोतरी की गई थी, तब भी यही तर्क दिया गया कि उस शुल्क का उपयोग तेल भंडारण बढ़ाने में किया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में तेल की कीमतों पर काबू पाया जा सके। मगर वह भंडारण कितना हो पाया, इसका भी कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। डीजल और पेट्रोल आज आम उपभोक्ता के दैनिक खर्च में शामिल हो चुके हैं। इनकी कीमतें बढ़ने से उनके मासिक खर्च में बढ़ोतरी हो जाती है। सरकार के ताजा फैसले से निःसंदेह आम लोगों को कुछ राहत तो मिलेगी ही। साथ ही साथ सरकार भी लोकसभा चुनाव में इस घोषणा को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

## धारचूला में सन 2000 के बाद आए व्यापारियों को किराए पर दिए मकान कराए जायेंगे खाली

पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में सन 2000 के बाद सभी व्यापारियों कि घर वापसी तय हो गई है। शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस धारचूला में व्यापार संघ अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह थापा की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में यह फैसला लिया गया है। सन 2000 के बाद धारचूला नगर में व्यापार कर रहे बाहर के सभी व्यापारियों कि घर वापसी तय हो गई है। शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस धारचूला में व्यापार संघ अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह थापा की अध्यक्षता में कोर कमेटी की बैठक हुई। जिसमें चिन्हित व्यापारियों के द्वारा दिए गए दस्तावेजों की जांच के बाद 91 व्यापारियों का पंजीकरण सर्वसम्मति से निरस्त कर दिया गया। सभी व्यापारियों को शनिवार से



अपने दुकान बंद रखने के लिए बताया गया है। व्यापार संघ के महासचिव महेश गर्बाल ने बताया कि व्यापार सिंह की कोर कमेटी ने सर्व समिति से 91 व्यापारियों के पंजीकरण को निरस्त कर दिया है।

गया था। इसके बाद सर्वसम्मति से निर्णय ले लिया गया है। महेश सिंह बुधियाल ने कहा कि बाहर के 91 व्यापारियों के जाने से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा। क्षेत्र में अराजकता की संभावनाएं भी कम हो जाएगी। बता दें कि, धारचूला में पिछले दिनों बरेली के मुस्लिम युवक द्वारा दो नाबालिक युवतियों को भगाकर ले जाने के बाद लोगों में काफी आक्रोश था। तब से लोकल लोग बाहरी लोगों को धारचूला छोड़ने की चेतावनी देते आ रहे हैं। बैठक में संरक्षक कमल कौशल, अध्यक्ष भूपेंद्र थापा उपाध्यक्ष प्रकाश गुंज्याल, महासचिव महेश गर्बाल, सचिव अश्विनी नपलच्याल, कोषाध्यक्ष खडक सिंह दानू, नवीन खर्कवाल, राजेंद्र नबियाल, गजेंद्र गुंज्याल आदि मौजूद रहे।

## कांग्रेस पार्टी के दो पूर्व विधायकों ने दिया पार्टी से इस्तीफा, भाजपा में होंगे शामिल

उत्तरकाशी। गंगोत्री के पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण और पुरोला के पूर्व विधायक मालचंद ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उत्तरकाशी जिले में कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है। पिछले दिनों ही उत्तरकाशी नगरपालिका के निवर्तमान अध्यक्ष रमेश सेमवाल ने भी पार्टी छोड़ दी थी। कांग्रेस में पार्टी छोड़ने का



सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गढ़वाल संसदीय सीट के पूर्व प्रत्याशी मनीष खंडूड़ी ने कांग्रेस छोड़

की है। एआईसीसी के सदस्य रहे सजवाण ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा को अपना इस्तीफा भेजा दिया है। जिसमें उन्होंने इस्तीफा देने की व्यक्तिगत वजह बताई है। राजनीतिक गलियारों और उत्तरकाशी जिलों में दो दिन पूर्व से चर्चाओं का बाजार गर्म था कि सजवाण जल्द भाजपा का दामन थाम सकते हैं। पुरोला विस के पूर्व विधायक मालचंद ने भी अपना इस्तीफा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है। मालचंद पूर्व में भाजपा में रहे हैं।

## विधायक ने किया 1.45 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

गदरपुर(उद संवाददाता)। विधायक अरविंद पांडे ने आचार संहिता लगाने से पूर्व नगर पालिका परिषद के विभिन्न बाड़ों में 1.45 करोड़ की लागत

से होने वाले 18 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, विधायक क्षेत्र में विकास की गंगा बह रही है और सरकार द्वारा हर वर्ग के लोगों को

लाभान्वित किए जाने के लिए विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए कोई कसर

नहीं छोड़ी जायेगी। इस मौके पर ईओ संजीव मेहरोत्रा, राकेश भुड्डी, रोहित सुदामा, विजय कश्यप, विजेंद्र कुमार, संतोष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।



## चोरी की तीन बाइकों के साथ दो बाइक चोर किए गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। अलग-अलग स्थान से चुराई गई तीन मोटरसाइकिलों के साथ दो चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के बारे में पता चला है कि बाइक चोरी की ताबड़तोड़ घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया।

पुलिस की स्कीम में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगालते हुए कुछ सदिशों को पकड़ा गया। इन सदिशों को पकड़ने के लिए हिरासत में ले लिया। इसी बीच रामनगर रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान बाइक पर सवार होकर फरार हो रहे दो सदिश लोगों को पुलिस ने शक के आधार पर दबोच लिया। पुलिस की

कड़ी पूछताछ में पकड़े गए दोनों ने अपना नाम कुमाऊं कॉलोनी कचनल गाजी निवासी मलखान सिंह पुत्र रूप सिंह तथा दूसरे ने अपना नाम कमल सिंह पुत्र सुरेश निवासी उपरोक्त बताया। पुलिस ने गिरफ्तार बाइक चोरों की निशानदेही पर अलग-अलग स्थान से चुराई गई तीन मोटरसाइकिलों को बरामद किया।

गिरफ्तार कमल सिंह के खिलाफ थाना कोतवाली में चोरी तथा शस्त्र अधिनियम के दो मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह गिरफ्तार मलखान सिंह के खिलाफ काशीपुर कोतवाली में चोरी तथा शस्त्र अधिनियम के चार मुकदमे दर्ज हैं। जरूरी पूछताछ के बाद गिरफ्तार बाइक चोरों का पुलिस द्वारा चलन करते हुए उन्हें जेल खाना कर दिया गया।

## जीपीएस कॉलर के साथ मोतीचूर रेंज के जंगल में छोड़ी बाघिन

देहरादून। कॉर्बेट पार्क से लाई गई बाघिन को मोतीचूर रेंज के टाइगर बाड़े से जंगल में छोड़ दिया गया है। बाघिन की निगरानी जीपीएस कॉलर के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए पार्क प्रशासन की आठ सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। रेंज के जंगल में अब बाघों की संख्या बढ़कर चार तक पहुंच गई है। शुक्रवार को मोतीचूर रेंज में वन मंत्री सुबोध उनियाल, पार्क निदेशक साकेत बडोला व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में बाघिन को टाइगर बाड़े से जंगल में छोड़ा गया है। वन मंत्री सुबोध उनियाल अधिकारियों के साथ दोपहर करीब 12 बजे राजाजी टाइगर रिजर्व की मोतीचूर रेंज के कोयलपुरा स्थित टाइगर

बाड़े में पहुंचे। मचान से उन्होंने बाघ की गतिविधियों को देखा। जिसके बाद वनकर्मियों की टीम ने बाघिन को जंगल में छोड़ने के लिए बाड़े के दोनों गेट खोल दिए। करीब दो घंटे बाद बाघिन जंगल की ओर चली गई। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि टाइगर ट्रांसलोकेट से राजाजी में पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा। जिससे राजस्व में बढ़ोतरी होगी। पार्क निदेशक साकेत बडोला ने बताया कि बाघ की गर्दन में जीपीएस कॉलर लगाया गया है। सैटेलाइट

जीपीएस और कैमरा ट्रैप के माध्यम से बाघिन की प्रत्येक मूवमेंट पर नजर रखी जा सकेगी। बाघ की निगरानी के लिए आठ सदस्यों की टीम का गठन भी किया गया है। इस मौके पर प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राजाजी टाइगर रिजर्व में बाघों के कुनबे को बढ़ाने के लिए कॉर्बेट पार्क से बाघों को ट्रेकुलाइज कर मोतीचूर रेंज में छोड़ा जा रहा है। 16 मई 2020 को एक मादा बाघ, 9 जनवरी 2021 को एक नर बाघ, 16 मई 2023

को एक मादा बाघ को छोड़ा गया। 7 मार्च 2024 को कॉर्बेट टाइगर रिजर्व की देला रेंज से मादा बाघ को ट्रेकुलाइज कर रेंज के बाड़े में लाया गया, जिसे आज जंगल में छोड़ा गया। राजाजी टाइगर रिजर्व में अब बाघों की संख्या चार हो गई है। जिसमें एक नर और तीन मादा बाघ शामिल हैं। राजाजी टाइगर रिजर्व की मोतीचूर रेंज में बाघों को ट्रांसलोकेट किया जाना पार्क महकमे के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे पार्क के अधिकारी एवं कर्मचारी उत्साहित है।

### ARCHIDPLY INDUSTRIES LIMITED

(CIN: L85110UR1995PLC008627)

Regd. Office: Plot No. 7, Sector - 9, Integrated Industrial Estates, SIDCUL, Pant Nagar, Udham Singh Nagar, Rudrapur, Uttarakhand, 263153, Phone: 05944-250270, Fax: 05944-250269  
Cor. Office: Plot No 2, Block No 1, W.H.S., Kirti Nagar, New Delhi-110015  
Phone- 011-45530828, 011-45642555, Website: www.archidply.com, Email: cs@archidply.com

### POSTAL BALLOT NOTICE

Members of Archidply Industries Limited ("the Company") are hereby informed that pursuant to Section 108 and Section 110 of the Companies Act, 2013, ("the Act"), read together with the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, General Circulars No. 14/2020 dated April 8, 2020, No. 17/2020 dated April 13, 2020, No. 20/2020 dated May 05, 2020, No. 22/2020 dated June 15, 2020, No. 33/2020 dated September 28, 2020, No. 39/2020, December 31, 2020, No. 02/2021 dated January 13, 2021, No. 10/2021 dated June 23, 2021, No.20/2021 dated December 8, 2021, No.03/2022 dated May 5, 2022, No. 11/2022 dated December 28, 2022 and No. 09/2023 dated September 25, 2023 issued by the Ministry of Corporate Affairs (the "MCA Circulars"), and other applicable provisions, including any statutory modification or re-enactment thereof for the time being in force, the Company will seek approval of the Members by way of Postal Ballot process (Remote E-Voting) in respect of the Resolution as specified in the Postal Ballot Notice dated 25th January, 2024 alongwith explanatory statement thereto as required under the provisions of section 102 read with section 110 of the Companies Act, 2013.

In accordance with the aforesaid circulars, the notice of Postal Ballot will be sent only by electronic mode to those members whose email addresses are registered with the Depository Participants (DP) or the Company or Company's Registrar and Share transfer agent (RTA) viz KFIN Technologies Limited. These documents will also be available on the website of the Company at [www.archidply.com](http://www.archidply.com) on the website of KFIN Technologies Limited at [www.kfintech.com](http://www.kfintech.com) and on the website of the Bombay Stock Exchange at [www.bseindia.com](http://www.bseindia.com) and National Stock Exchange at [www.nseindia.com](http://www.nseindia.com).

The Company would be providing remote e-voting facility to its members to enable them to cast their votes on the resolution set out in the Notice of the Postal Ballot. The Company has engaged the services KFIN Technologies Limited Registrar and Share Transfer Agent of the Company for providing this facility to the Members. Detailed instructions in this regard will form part of the Notice of the Postal Ballot.

The Members whose e-mail addresses are not registered with the DPs or the Company or RTA are requested to register their e-mail addresses by following the instructions below:

- For Physical Shareholders** - Please provide prescribed form ISR-1 alongwith other requisite form (available on the website of the Company [www.archidply.com](http://www.archidply.com)), duly self-attested by the shareholder(s) to Company's RTA at their address at KFIN Technologies Limited, Selenium Tower B, Plot Nos. 31 & 32 (Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal, Hyderabad - 500 032.
- For Demat Shareholders** - Please update your email id and mobile no with your respective depository participants (DP) which is mandatory while remote e-voting.

By order of the Board  
For Archidply Industries Limited

Sd/-  
Atul Krishna Pandey  
Company Secretary & Compliance Officer  
Membership No. ACS 47815

Date: March 15, 2024  
Place: New Delhi